प्यारा केरकेट्टा 119वीं जयंती सम्मान सह सांस्कृतिक समारोह

3 जून 2022, टाउन हॉल, सिमडेगा

आयोजन रिपोर्ट

प्यारा केरकेट्टा की 119वीं जयंती के अवसर पर सम्मान सह भव्य सांस्कृतिक समारोह का आयोजन शुक्रवार 3 जून 2022 को सिमडेगा में संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि कोलेबिरा विधान सभा के विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी थे। नगर परिषद सिमडेगा की अध्यक्ष पुष्पा कुल्लू और खड़िया साहित्य समिति के अध्यक्ष प्रेमानंद सोरेंग विशिष्ट अतिथि थे। सम्मान सह सांस्कृतिक समारोह का आयोजन *प्यारा केरकेट्टा फॉउंडेशन* ने टाटा स्टील फाउंडेशन और गेल इण्डिया लिमिटेड के सहयोग से किया था।

दिनभर चले इस समारोह का आयोजन दो चरणों में संपन्न हुआ। पहले चरण में सिमडेगा जिला सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के चौराहे पर प्रातः 10.30 से प्यारा केरकेट्टा की प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। फिर इसके तुरंत बाद दूसरे चरण की शुरुआत हुई। इसके अंतर्गत नगर परिषद सिमडेगा के टाउन हॉल में सम्मान सह सांस्कृतिक समारोह का आयोजन आरंभ हुआ जो सायं 4 बजे तक चला।

समारोह का आरम्भ मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों, सम्मानित प्रतिभाओं और झारखंड के अनेक जिलों से आए हुए गणमान्य, साहित्यकारों, कलाकारों, संस्कृतिकर्मियों और समाजसेवियों के स्वागत से हुआ। सभी आगत अतिथियों को नाचते-गाते हुए परिघा कर मंच तक लाया गया। स्वागत सत्र का संचालन करते हुए शैलबाला किड़ो ने अतिथियों को आसन ग्रहण करवाया। तत्पश्चात परंपरागत रीति से हाथ धुलाकर और झारखंडी गमछा ओढ़ा कर उनका औपचारिक स्वागत किया गया। स्वागत के बाद मेहमानों ने मांदर नगाड़े की आवाज के बीच नाचू में धान भर कर समारोह का उद्घाटन किया और प्यारा केरकेट्टा की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन बरसाये।

प्यारा केरकेट्टा फाउंडेशन की अध्यक्ष ग्लोरिया सोरेंग ने इस अवसर पर सबका स्वागत करते हुए कहा कि एक वे अपने पिता को पिता के रूप में नहीं अपितु सबके अभिभावक के रूप में याद करती हैं। जो हर जाति, धर्म, समुदाय के लोगों की शैक्षणिक, सांस्कृतिक और समाजिक विकास चाहते थे। उन्होंने बताया कि प्यारा केरकेट्टा कॉलेज के दिनों से ही सामाजिक गतिविधियों में शामिल हो गए थे। झारखंडियों द्वारा 1912 में स्थापित और 1920 के आसपास पुनर्गठित छोटानागपुर उन्नति समाज के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। 1928 में जब साइमन कमीशन तत्कालीन बिहार-झारखंड में रायशुमारी के लिए आया था तो उन्हें अलग छोटानागपुर प्रशासनिक ईकाइ गठन करने के लिए उन्नति समाज की ओर से जो मेमोरंडम दिया गया था उसपर इनके भी हस्ताक्षर थे। उसी राजनीतिक मेमोरेंडम से तब पहली बार झारखंड अलग राज्य की मांग की गई थी। इस इतिहास को भुला दिया गया है। ग्लोरिया सोरेंग ने कहा कि जयंती समारोह के माध्यम से इसी इतिहास को याद करने की कोशिश है।

Pyara Kerketta Foundation
Cheshire Home Road, Bariatu, Ranchi 834009 Jharkhand India
Tel. : 09262975571, 9234678580 Telefax: 0651-2201261
E-mail : toakhra@gmail.com | www.kharia.org | www. akhra.org.in

प्यारा केरकेट्टा 119वीं जयंती सम्मान सह सांस्कृतिक समारोह

3 जून 2022, टाउन हॉल, सिमडेगा

उसी इतिहास को लिखने का प्रयास है। झारखंड निर्माण में प्यारा केरकेट्टा और जयपाल सिंह मुंडा जैसे कई महान अगुओं, अभिभावकों, संस्कृतिकर्मियों, समाजसेवियों, राजनेताओं आदि का योगदान है। जनता के बीच वे प्यारा मास्टर के नाम से लोकप्रिय थे। लोगों के शैक्षणिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास के लिए उन्होंने कई कार्य किया- स्कूल खोले, युवा क्लबों की स्थापना की, सिमडेगा का प्रसिद्ध गांधी मेले की शुरुआत का श्रेय उन्हीं को है। उन्होंने खेलों के विकास के लिए अनेक आयोजन करवाये और जनजागरण के लिए नाटक मंडली बनाकर गांव-गांव सांस्कृतिक कार्यक्रम किया।

अपने स्वागत वक्तव्य के अंत में फाउंडेशन की अध्यक्ष ग्लोरिया सोरेंग ने समारोह को आर्थिक सहयोग देकर सफल बनाने के लिए टाटा स्टील फाउंडेशन और गेल इंडिया लिमिटेड तथा अन्य सभी सहयोगियों के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने उम्मीद जतायी कि आगे भी उन सबका सहयोग मिलेगा जिससे वे प्यारा केरकेट्टा के सपनों को पूरा करने की दिशा में सक्षम बने रहेंगे।

स्वागत भाषण के उपरांत स्कॉलर प्रीति रंजना डुंगडुंग ने समारोह में उपस्थित लोगों को प्यारा केरकेट्टा की विस्तृत जीवनी से परिचित कराया। उनके जीवन और योगदान पर प्रकाश डालते हुए प्रीति ने कहा कि प्यारा मास्टर का विशेष जोर शिक्षा के प्रसार पर था। लोगों को मातृभाषा में शिक्षा मिले वह इसके भी पुरजोर हिमायती थे। साथ ही साथ उन्होंने बालिका शिक्षा के लिए भी विशेष प्रयास किए। आज सिमडेगा-गुमला और सीमावर्ती ओड़िसा में शिक्षा का जो जाल बिछा है वह प्यारा केरकेट्टा की ही देन है। ऐसे बहुआयामी व्यक्तित्व विरले ही होते हैं जिनकी छाप वर्तमान, इतिहास और भविष्य पर सदियों तक रहती है।

प्यारा केरकेट्टा फाउंडेशन की मुख्य कार्यकारी और सचिव वंदना टेटे ने संस्था की गतिविधियों का लेखाजोखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि विगत 20 सालों से फाउंडेशन ने भाषा, साहित्य, संस्कृति और पुरखा ज्ञान परम्परा के संरक्षण, संवर्धन व विकास के लिए सक्रियता के साथ समर्पित है। इसके लिए कई शैक्षणिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक कार्यक्रम झारखण्ड और देश में समय-समय पर समुदाय के सहयोग से चलाये जाते रहे हैं। अबतक झारखंड की आदिवासी और क्षेत्रीय भाषाओं में लगभग 200 किताबों का प्रकाशन किया जा चुका है जो दर्शन, इतिहास, और विभिन्न साहित्यिक विधाओं पर हैं। असुर अखड़ा मोबाइल रेडियो के माध्यम से लुप्तप्राय और खतरे में पड़ी असुर भाषा के संरक्षण पर कार्य जारी है। बिरजिया भाषा के संरक्षण, दस्तावेजीकरण और प्रचार-प्रसार पर भी काम चल रहा है। विभिन्न विषयों से संबंधित सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन निरंतर किया जाता है रहा है ताकि आदिवासी और देशज भाषा-साहित्य का समुचित संरक्षण और विकास हो सके। वंदना टेटे ने भी अपने उद्‌गार में टाटा स्टील फाउंडेशन और गेल इंडिया लिमिटेड को उनके विशेष आर्थिक सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

Pyara Kerketta Foundation
Cheshire Home Road, Bariatu, Ranchi 834009 Jharkhand India
Tel. : 09262975571, 9234678580 Telefax: 0651-2201261
E-mail : toakhra@gmail.com | www.kharia.org | www. akhra.org.in

प्यारा केरकेट्टा 119वीं जयंती सम्मान सह सांस्कृतिक समारोह

3 जून 2022, टाउन हॉल, सिमडेगा

सम्मान सत्र में 19 प्रतिभाओं को विभिन्न क्षेत्रों में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सभी चयनित प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा सम्मान पत्र, मोमेंटो और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मरणोपरांत सम्मानित होने वालों में - 1. फिलिप कुल्लू (शिक्षा) 2. अंजलुस केरकेट्टा (समाजिक सद्भावना) 3. अब्राहम बाः (सामाजिक सद्भावना) और 4. गंगा विष्णु रोहिल्ला (समाज सेवा) थे। इनके अतिरिक्त जो अन्य 15 लोग सम्मानित किए गए, वे हैं - 1. डॉ देवनिश खेस (चिकित्सा), 2. रानी कुमारी (स्वास्थ्य सेवा), 3. रेजिना टोप्पो (समाज सेवा), 4. हाजी जावेद (समाज सेवा), 5. अगुस्टिना सोरेंग (समाज सेवा/संस्कृति), 6. सत्यव्रत ठाकुर (संस्कृति), 7. डॉ प्रहलाद मिश्रा (प्रमोटर), 8. प्रतिमा बरवा (प्रमोटर), 9. मसीरा सुरीन (खेल), 10. अमरमनी कुल्लू (खेल), 11. एंजेला एनिमा तिर्की (साहित्य), 12. मुंगेश्वर साहु (साहित्य), 13. एफ्रेम बाः (शिक्षा), 14. स्मित कुमार सोनी (शिक्षा) और 15. अलाउद्दीन अंसारी (समाजसेवा)।

इस संत्र का संचालन युवा नेत्री रेचेल स्मृति बिल्लुङ ने किया।

सम्मान सह सांस्कृतिक समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि और कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी ने अपने वक्तव्य में कहा कि मातृभाषा की नींव मजबूत होनी चाहिए। हमारी नींव आजकल कमजोर हो गयी है। हमारे बच्चे अपनी भाषा संस्कृति को भूलते जा रहे हैं जिससे समाज का सांस्कृतिक और बौद्धिक नुकसान हो रहा है। अगर हम सचेत नहीं हुए तो निकट भविष्य में हमें और ज्यादा हानि उठानी पड़ेगी। इस स्थिति को प्यारा केरकेट्टा जैसे हमारे अगुआ लोगों ने पहले ही समझ लिया था और लगातार आगाह कर रहे थे और काम कर रहे थे। उनसे हमें प्रेरणा लेने की जरूरत है। संकल्प लेने की जरूरत है। सरकार का पक्ष रखते हुए विधायक कोनगाड़ी ने कहा कि सरकार को भी सहयोग की जरूरत है। हमें पहल लेते हुए सरकार को बताना होगा। उसका ध्यान आर्थिक मुद्दों के आलावे सामाजिक सांस्कृतिक मुद्दों की ओर भी खींचना होगा। आदिवासी विकास की अवधारणा को जमीन पर उतारना होगा। समय-समय पर विभिन्न मुद्दों पर कार्यशाला, सेमिनार, शिविर लगा कर काम करना होगा साथ ही सरकार को भी बताना होगा। लोकतंत्र की आँख-कान तो जनता ही होती है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भाषा साहित्य और संस्कृति के लिए वो व्यक्तिगत और जनप्रतिनिधि के तौर पर हमेशा साथ रहेंगे।

सिमडेगा नगर परिषद की अध्यक्ष और समारोह की विशिष्ट अतिथि पुष्पा कुल्लू ने अपने अभिभाषण में प्यारा केरकेट्टा को प्रेरणादायी व्यक्तित्व बताया। उन्होंने कहा कि आज नई पीढ़ी के साथ-साथ सभी को अपने स्वर्णिम इतिहास को जानने और समुदाय को बताने की की जरूरत है। ये बताना मौखिक तो होना ही चाहिए जैसा कि होता रहा है पर लिखित भी होना चाहिए। प्यारा केरकेट्टा का विशेष जोर ज्ञान अर्जन पर था। अतः लिखित होने से इतिहास संरक्षित तो होगा ही साथ ही पाठ्यक्रमों में भी डाला जा सकेगा।

Pyara Kerketta Foundation
Cheshire Home Road, Bariatu, Ranchi 834009 Jharkhand India
Tel. : 09262975571, 9234678580 Telefax: 0651-2201261
E-mail : toakhra@gmail.com | www.kharia.org | www. akhra.org.in

प्यारा केरकेट्टा 119वीं जयंती सम्मान सह सांस्कृतिक समारोह

3 जून 2022, टाउन हॉल, सिमडेगा

विशिष्ट अतिथि के तौर पर बोलते हुए खड़िया साहित्य समिति के अध्यक्ष प्रेमानंद सोरेंग ने उनसे जुड़ी यादों को साझा किया। कहा कि प्यारा केरकेट्टा एक अनुशासनप्रिय अभिभावक और शिक्षक थे जो समय के बेहद पाबन्द थे। किसी भी काम में कोताही बर्दाश्त नहीं करते थे। अध्ययन में तो बिल्कुल भी नहीं। लेकिन अनुशासन के मामले में जितना कठोर थे उतना ही वे प्यार भी किया करते थे। सबकी चिंता करते थे। बीमार होने पर खुद भी देखभाल करते और सहपाठियों को भी करने को कहते। उनकी शिक्षा ने हमें अच्छा मुकाम दिलाया और उनके खोले स्कूल कॉलेजों ने औरों के लिए भी ज्ञान का द्वार खोला।

अतिथि वक्तव्यों के बाद सांस्कृतिक सत्र शुरू हुआ। जिसमें गीत, संगीत और नृत्य सहित कविता आदि की मनोहर सुमधुर प्रस्तुतियां दी गई। विशेष आकर्षण रहे नेतरहाट और महुआडांड़ से आए असुर और बिरजिया नृत्य दल। नेतरहाट के जोभीपाट (गुमला) गांव से रोशनी असुर और महुआडांड़ के दुडुप (लातेहार) गांव से आई सरोज तेलरा की नृत्य टीम का प्रदर्शन लाजवाब रहा। जब उनकी टीमें मंच पर आईं तो राग-रंग का जो पारंपरिक समां बंधा वह खचाखच भरे हॉल के लोगों के लिए अविस्मरणीय बन गया। इसके अलावा सुषमा सोरेंग (आसनबेड़ा), हेमावती कुल्लू (कड़ामुखा) और शोभावती लकड़ा (कोरोमिया) की टीमों ने खड़िया और कुडुख नृत्य-गीत का मनभावन प्रदार्शन किया। इस दौरान प्यारा केरकेट्टा के गांव से आए ग्रामीणों ने खड़िया भाषा में गीत प्रस्तुत किया जबकि सिमडेगा शहर के युवकों और युवतियों ने कविताओं और गीतों का कार्यक्रम पेश किया।

आयोजन के दौरान फाउंडेशन की ओर से पुस्तक प्रदर्शनी सह बिक्री का स्टॉल भी लगाया गया था जो समारोह के बौद्धिक आकर्षण का केंद्र शुरू से अंत तक बना रहा। समारोह में अनेक जिलों से आए साहित्यकारों, संस्कृतिकर्मियों, कलाकारों, समाजसेवियों, बौद्धिकों और समाजसेवियों सहित आम जनता की उपस्थिति उल्लेखनीय थी। लगभग चार घंटे तक चले विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान गर्मी के बावजूद समूचा हाल खचाखच भरा रहा।

सम्मान सह सांस्कृतिक समारोह का समापन सांस्कृतिक सत्र का संचालन कर रहे फाउंडेशन के कोषाध्यक्ष पात्रिक बिलुङ के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

रिपोर्ट प्रस्तुति : **सलोमी एक्का**

Pyara Kerketta Foundation
Cheshire Home Road, Bariatu, Ranchi 834009 Jharkhand India
Tel. : 09262975571, 9234678580 Telefax: 0651-2201261
E-mail : toakhra@gmail.com | www.kharia.org | www. akhra.org.in